Shri Tiruchi Siva (Tamil Nadu), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Shri Mithlesh Kumar (Uttar Pradesh), Shri Sadanand Mhalu Shet Tanavade (Goa), Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sandosh Kumar P (Kerala) and Shri A. A. Rahim (Kerala).

Now, Shri Sukhendu Sekhar Ray - Need for fencing of India-Bangladesh border. He is not present. Now, Shri Ram Chander Jangra — 'Demand for conferring Bharat Ratna to Swami Kalyan Dev.

Demand for conferring the Bharat Ratna to Swami Kalyan Dev

श्री रामचंद्र जांगड़ा (हरियाणा): उपसभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, आज मैं आपके माध्यम से एक बहुत महत्वपूर्ण विषय सदन के सामने रख रहा हूं। पूरा भारत ब्रह्मलीन स्वामी कल्याण देव जी से परिचित है। वे एक ऐसी महान विभूति थे, जिन्होंने शिक्षा व भारतीय संस्कृति के विकास हेतु अपने जीवन के सौ साल लगाकर अद्भुत व अविस्मरणीय कार्य किया था।

मान्यवर, इस महान संत का जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव में 26 जून, 1876 को एक विश्वकर्मा परिवार में हुआ था। उन्होंने 128 साल की आयु में 14 जुलाई, 2004 को भागवत की जन्म स्थली शुक्रताल में अपने पंचभौतिक शरीर का त्याग किया था। उनमें बचपन से ही वैराग्य के भाव थे, इसलिए उन्होंने 14 साल की उम्र में ही घर त्याग दिया था और 17 साल की उम्र में, 1893 में उनकी मुलाकात राजस्थान के खेतड़ी के महाराज के यहाँ स्वामी विवेकानंद जी से हुई थी। स्वामी विवेकानंद जी ने उनसे कहा कि, 'युवक, भगवान किसी मठ, मंदिर में नहीं, गरीब की झोंपड़ी में बसता है। गरीबों की सेवा को अपना लक्ष्य बनाओ, तुम्हें भगवान की प्राप्ति हो जाएगी।' मान्यवर, उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के उपर्युक्त शब्दों को गुरु मंत्र मानकर 1900 में स्वामी संपूर्णानंद जी से संन्यास की दीक्षा ली और गरीबों को शिक्षित करने के लिए अपने जीवन के सौ वर्ष लगाए। उन्होंने अपने अथक प्रयासों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में कन्या महाविद्यालय, आयुर्वेदिक कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज, गुरुकुल, डिग्री कॉलेज और इंटर कॉलेज के रूप में 300 शिक्षण संस्थाओं का निर्माण तथा दर्ज़नों तीर्थ स्थानों का जीर्णोद्धार भी करवाया।

महोदय, भागवत की जन्म स्थली शुक्रताल को मुख्य रूप से उल्लेखित किया जा सकता है। उनकी राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1982 में पद्म श्री तथा वर्ष 2000 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया था।

मान्यवर, जब स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी प्रथम बार उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री बने थे, तब उन्होंने कहा था कि जनहित के जितने कार्य वीतराग स्वामी कल्याण देव जी ने किए हैं, उतने कार्य सरकार भी नहीं कर सकती।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार को जानकारी दे रहा हूं कि स्वामी कल्याण देव ने कभी किसी संस्था में कोई पद नहीं लिया और किसी संस्था का पानी तक नहीं पीया। वे जिस भी संस्था में रुकते थे, निरीक्षण के लिए जाते थे, वहाँ बाहर के कुएँ से पानी लाकर पीते थे और पाँच घरों से भिक्षा का आटा माँगकर वहाँ की रोटी खाते थे।

मान्यवर, मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग है कि वीतराग ब्रह्मलीन स्वामी कल्याण देव जी को भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिया जाए। इससे करोड़ों लोगों को जनसेवा की प्रेरणा मिलेगी और यह महान संत के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ram Chander Jangra: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Smt. Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

Now, Shri Sukhendu Sekhar Ray - Need for fencing of Indo-Bangladesh border.

Need for fencing of India-Bangladesh border

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (West Bengal): Sir, the total length of India-Bangladesh border is 4,096.7 kilometres, out of which 865 kilometres is yet to be fenced and it includes 174 kilometres of non-feasible gaps. West Bengal, among all other States in India, has the longest land border with Bangladesh, which is 2,217 kilometres. One of the major challenges reportedly being faced in completing the feasible stretches of fencing projects relates to unwarranted objections and problems created by the Border Guard Bangladesh. One such recent problem created by the Border Guard Bangladesh at Sukdevpur in Malda District of West Bengal was foiled by the local people with the help of the police and the Border Security Force. In the district of Cooch Behar, miscreants from the other side of the border, at times, infiltrate into our villages and loot the valuables and foodgrains of the villagers. This is an alarming situation in the border of Cooch Behar. With the emerging situation in Bangaldesh, the Government is required to be more vigilant and adequate measures should be initiated on war footing to complete the fencing of feasible stretches of